महाराष्ट्र हिंदी परिषद की पत्रिका

सार्थक उपलब्धि

E-mail : maharashtrahindiparishad@gmail.com Website : http://maharashtrahindiparishad.org

संपादक : **प्रो. डॉ. जिजाबराव पाटील**
अध्यक्ष, महाराष्ट्र हिंदी परिषद,
अध्यक्ष, हिंदी विभाग, श्री शेठ मुरलीधरजी मानसिंगका साहित्य, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, पाचोरा

वर्ष : 27
अंक : 29

कार्यकारी संपादक : **डॉ. गजानन चव्हाण**
प्रधान सचिव, महाराष्ट्र हिंदी परिषद,
अध्यक्ष, हिंदी विभाग, श्रीमती गंगाबाई खिवराज घोडावत कन्या महाविद्यालय, जयसिंगपुर

महाराष्ट्र हिंदी परिषद का 31 वाँ अधिवेशन एवं द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी
स.का.पाटिल सिंधुदुर्ग महाविद्यालय, मालवण जि. सिंधुदुर्ग(महाराष्ट्र)
(दि. 10 एवं 11 जनवरी 2025)

कृष्णराव सिताराम देसाई शिक्षण मंडल, मालवण संस्था की स्थापना सन 1914 में हुई। जिसके निर्माता एवं संस्थापक स्वयं स्वर्गीय श्री.कृष्णराव सिताराम देसाई जी हैं। इस संस्था के अंतर्गत कन्याशाला, अध्यापक विद्यालय, माध्यमिक विद्यालय, रामभाऊ परुलेकर कनिष्ठ महाविद्यालय एवं स.का.पाटिल सिंधुदुर्ग महाविद्यालय तथा शंकरराव गवाणकर विज्ञान महाविद्यालय आदि शाखाएं आती हैं। स.का.पाटिल सिंधुदुर्ग महाविद्यालय, मालवण की स्थापना सन 1965 में हुई । महाविद्यालय की स्थापना के साथ ही हिंदी विभाग की स्थापना भी हुई। गत 60 सालों से महाविद्यालय में हिंदी विभाग कार्यरत है। प्रतिवर्ष हिंदी विभाग की ओर से प्रेमचंद जयंती, हिंदी दिवस, हिंदी सप्ताह एवं विश्व हिंदी दिवस मनाया जाता है । सन 2022-23 में महाविद्यालय ने NAAC का थर्ड सायकल पूर्ण किया, जिसमें महाविद्यालय ने B+ मानांकन प्राप्त किया। साम्प्रत वर्ष महाविद्यालय का हीरक महोत्सवी वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इस वर्ष महाविद्यालय में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत महाराष्ट्र हिंदी परिषद् के अधिवेशन का आयोजन भी किया जा रहा है।

सिंधुदुर्ग किला : मालवण एक ऐतिहासिक शहर एवं पर्यटन स्थल है,जहाँ प्रतिवर्ष लाखों पर्यटक आते हैं । मालवण समुन्दर किनारे बसा एक शहर है। मालवण के समुन्दर में सिंधुदुर्ग किला बसा है, जिसका निर्माण स्वराज्य संस्थापक एवं युगप्रवर्तक छत्रपति शिवाजी महाराज जी ने 1664 से 1667 इस अवधि में किया। इस किले की वजह से मालवण की पहचान पुरे भारतवर्ष में बनी हुई है। सिधुदुर्ग किले में छत्रपति शिवाजी महाराज जी का मंदिर है। जिसे कोल्हापुर के छत्रपति राजाराम महाराज जी ने बनवाया है। किले में मीठे पानी के 2 कुएँ हैं जिसका इस्तेमाल किले में रहने वाले लोग करते हैं। यह किला 39 एकड़ में फैला हुआ है चारों ओर 5 से 10 फीट चौड़ी और 30 फीट ऊँची दीवार बनाई गई है, जो आज भी समुन्दर की लहरों के थपेड़ों को सहते हुए खड़ी है।

तारकर्ली बीच : मालवण में एवं मालवण के नजदीक सुंदर बीच स्थल है जहाँ अनेक पर्यटक आते रहते हैं। जिसमें सबसे पहले तारकर्ली बीच का समावेश होता है। तारकर्ली बीच की विशेषता ये है कि ये बीच बिल्कुल साफ-सुथरा एवं बडा है। इस वजह से यहाँ काफी सारे पर्यटक आते रहते हैं । तारकर्ली बीच के बाद देवबाग की नदी एवं समंदर का संगम पॉईंट आता है जहाँ पर एक तरफ से नदी बहती हुई आती है और दूसरी तरफ से समुंदर का पानी नदी के पानी से मिलता है। वहाँ ऊँची लहरे उठती हैं ये समंदर और नदी का संगम देखने लायक है। देवबाग मालवण से 16 किलोमीटर दूर है और तारकर्ली मालवण से सात किलोमीटर दूर है। मालवण शहर के बिल्कुल नजदीक चिवला नामक साफ-सूथरा बीच है । जो मालवण शहर के पश्चिम दिशा में स्थित है जहाँ बहुत सारे छोटे हॉटेल्स बसे हैं ।

मालवण के नजदीक 12 किलोमीटर की दूरी पर आंगणेवाडी नामक गाँव है, जहाँ भराडी देवी का मंदिर है, हर साल फरवरी महिने में यहाँ यात्रा उत्सव होता है जिसमें लगभग दस लाख लोग आते हैं। ये मंदिर भी देखने लायक है। मालवण शहर की उत्तर दिशा में पैंतालीस किलोमीटर दूर कुणकेश्वर गाँव है। जहाँ भगवान शिव का पौराणिक मंदिर है। जो बिलकुल समुंदर के बीच पर बसा हुआ है । हर साल महाशिवरात्रि के दिन यहाँ यात्रा उत्सव होता है। यहाँ भी लाखों की संख्या में लोग आते है। ये स्थान भी पर्यटकों को हमेशा आकर्षित करता रहा है। मालवण की उत्तर दिशा में तोंडवली नामक एक गाँव है जो मालवण से 17 किलोमीटर दूर है और यहाँ के बीच भी बिल्कुल साफ-सूथरे हैं। यहाँ विशेष रूप से मछली का भोजन मिलता है। भारत का सबसे महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल गोवा मालवण से 130 कि.मी के दूरी पर है।

-० अधिवेशन हेतु पंजीकरण शुल्क ०-

पंजीकरण शुल्क रु. 1500/- निर्धारित किया गया है । (रु.1200/- संयोजक एवं रु.300/- परिषद सहयोग राशि), छात्र रु. 500/-

● अपने सहयोगी हिंदी प्राध्यापकों को आजीव सदस्य बनने के लिए प्रोत्साहित करें । ●

कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय, सात्रळ, अहमदनगर में संपन्न महाराष्ट्र हिंदी परिषद के 30 वें अधिवेशन का कार्यवृत्त

महाराष्ट्र हिंदी परिषद एवं सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे संलग्न लोकनेते डॉ. बाळासाहेब विखे पाटील (पद्मभूषण उपाधि से सम्मानित) प्रवरा ग्रामीण शिक्षण संस्था का कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय, सात्रळ, अहमदनगर के संयुक्त तत्त्वावधान में दिनांक 12 एवं 13 जनवरी, 2024 को महाराष्ट्र हिंदी परिषद का 30 वाँ अधिवेशन एवं द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'हिंदी साहित्य की सामाजिक एवं लोकतांत्रिक भूमिका : नए संदर्भ ' इस विषय पर सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

उद्घाटन समारोह के लिए मुख्य अतिथि के रूप में हिंदी की लेखिका तथा पूर्व प्रधानाचार्य श्रीमती रजनी मोरवाल, जयपुर, राजस्थान उपस्थित थी। इस सत्र की अध्यक्षता जिला परिषद की पूर्व अध्यक्ष तथा संस्था की विश्वस्त सौ. शालिनीताई विखे पाटील जी ने की । बीजवक्ता के रूप में मुंबई विश्वविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. दत्तात्रय मुरुमकर उपस्थित थे। इस अवसर पर अतिथि के रूप में डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, छत्रपति संभाजीनगर के हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. चंद्रदेव कवडे, कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव कला संकाय के भूतपूर्व अधिष्ठाता डॉ. मधुकर खराटे, शिवाजी विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. डॉ. पांडुरंग पाटील, महाराष्ट्र हिंदी परिषद के अध्यक्ष प्रो. डॉ. जिजाबराव पाटील, प्रधान सचिव डॉ. गजानन चव्हाण एवं संस्था के संचालक एडवोकेट आप्पासाहेब दिघे पाटील, महाविद्यालय विकास समिति के अध्यक्ष एडवोकेट श्री. बाळकृष्ण चोरमुंगे पाटील आदि मान्यवर उपस्थित थे । इस अवसर पर परिषद की पत्रिका 'सार्थक उपलब्धि' का मान्यवरों के हाथों विमोचन हुआ। इसका सुत्र -संचालन डॉ. अनंत केदारे ने किया। इस अधिवेशन में महाराष्ट्र हिंदी परिषद की ओर से हिंदी के ज्येष्ठ अनुवादक एवं अध्येता प्रो. डॉ. गजानन चव्हाण जी को 'सारस्वत सम्मान' से सम्मानित किया गया तथा उत्कृष्ट शोधालेख के लिए डॉ. सूर्यकांत अमलपुरे (पेण, रायगड) को सम्मानित किया गया।

द्वितीय सत्र 'हिंदी कथा साहित्य की सामाजिक एवं लोकतांत्रिक भूमिका : नये संदर्भ विषय पर संपन्न हुआ. इस सत्र के विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रोफ़ेसर डॉ. संजयकुमार शर्मा थे। अध्यक्ष प्रो. डॉ. मिथिलेश अवस्थी तथा आभार डॉ. अनंत केदारे ने प्रकट किए। तृतीय सत्र 'हिंदी काव्य की सामाजिक एवं लोकतांत्रिक भूमिका नये संदर्भ' विषय पर संपन्न हुआ। इस सत्र में विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रो. डॉ. पंढरीनाथ पाटील 'शिवांश' उपस्थित थे । इस सत्र का अध्यक्षीय दायित्व प्रो. डॉ. अनिल काले तथा आभार डॉ. ऐनुर शेख ने प्रकट किए।

चतुर्थ सत्र दिनांक 13 जनवरी 2024 को 'हिंदी नाट्य साहित्य : सामाजिक एवं लोकतांत्रिक भूमिका नये संदर्भ ' में विशेषज्ञ के रूप में प्रो. डॉ. विठ्ठलसिंह ढाकरे और अध्यक्ष प्रो. डॉ. अनिल सालुंखे तथा आभार डॉ. दशरथ खेमनर ने प्रकट किए। पंचम सत्र 'हिंदी साहित्य की अन्यान्य विधाओं की सामाजिक एवं लोकतांत्रिक भूमिका : नये संदर्भ' विषय पर संम्पन्न हुआ। इस सत्र में विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ. अरुण घोगरे उपस्थित थे। अध्यक्षता डॉ. देविदास बामणे ने तथा आभार ज्ञापन डॉ. उत्तम येवले ने किया। दोपहर 12.30 बजे महाराष्ट्र हिंदी परिषद के अध्यक्ष प्रो. डॉ. जिजाबराव पाटील की अध्यक्षता में परिषद का खुला अधिवेशन संपन्न हुआ। महाराष्ट्र हिंदी परिषद के प्रधान सचिव डॉ. गजानन चव्हाण ने गत सभा का इतिवृत्त प्रस्तुत किया तथा कोषाध्यक्ष प्रो. डॉ. अनिल सालुंखे ने आय-व्यय तथा बजट प्रस्तुत किया। सभी सदस्यों ने अनुमोदन दिया। साथ ही खुले अधिवेशन में अनेक प्रस्तावों पर चर्चा हुई और प्रस्ताव पारित किए गए।

समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में एडवोकेट आप्पासाहेब दिघे पाटील तथा अध्यक्ष के रूप में मा. प्रो. डॉ. पांडुरंग पाटील थे। स्वागत एवं प्रास्ताविक प्राचार्य प्रो. डॉ. प्रभाकर डोंगरे ने किया। संगोष्ठी की समीक्षा समन्वयक तथा हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ. भाऊसाहेब नवले ने प्रस्तुत की। अतिथि परिचय एवं संचालन डॉ. अनंत केदारे ने किया। आभार उपप्राचार्य डॉ. दीपक घोलप ने व्यक्त किए।

इस अधिवेशन एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए महाराष्ट्र के साथ अन्यान्य राज्यों के विश्वविद्यालयों एवं हिंदी संस्थाओं से विद्वतजन, शोध छात्र एवं अध्यापक बड़ी संख्या में उपस्थित थे। महाराष्ट्र हिंदी परिषद के नियामक मंडल के सभी सदस्य एवं पदाधिकारियों का इस संगोष्ठी के लिए किसी भी रूप में प्राप्त सहयोग निश्चित ही स्मरणीय एवं आभार का हक़दार रहा है। अधिवेशन एवं संगोष्ठी के लिए महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी से अनुमोदित एक लाख राशि, डॉ. मधुकर खराटे से प्राप्त पच्चीस हजार राशि तथा बैंक ऑफ़ महाराष्ट्र से प्राप्त दस हजार रूपये का आर्थिक सहयोग भी विशेष महत्त्वपूर्ण रहा है। महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी के अध्यक्ष प्रो. डॉ. शीतलाप्रसाद दुबे एवं संस्था के अध्यक्ष तथा महाराष्ट्र के राजस्व, दुग्ध व्यवसाय विकास तथा पशुपालन मंत्री डॉ. राधाकृष्ण विखे पाटील जी, संस्था के अतिरिक्त कार्यकारी अधिकारी डॉ. शिवानंद हिरेमठ, अतांत्रिक विभाग के प्राचार्य डॉ. प्रदीप दिघे तथा महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डॉ. प्रभाकर डोंगरे, उपप्राचार्य डॉ. जयश्री सिनगर, डॉ. दिपक घोलप आदि के कुशल मार्गदर्शन के कारण ही यह अधिवेशन एवं संगोष्ठी सफल रही।

डॉ. भाऊसाहेब नवले
संयोजक

निवेदन हैं कि...

महाराष्ट्र हिंदी परिषद के सभी आजीवन सदस्यों से निवेदन है कि वे अपना ई-मेल और भ्रमणध्वनि क्रमांक तुरंत परिषद के ई-मेल पर प्रेषित करे ताकि संपर्क बनाये रखने में सुविधा होगी ।

E-mail : maharashtrahindiparishad@gmail.com
परिषद की Website : http://maharashtrahindiparishad.org

महाराष्ट्र हिंदी परिषद के पुरस्कार एवं सम्मान

1. सारस्वत सम्मान –

महाराष्ट्र हिंदी परिषद के वार्षिक अधिवेशन में परिषद की ओर से सारस्वत सम्मान दिया जाता है । यह सम्मान हिंदी भाषा एवं साहित्य में उल्लेखनीय कार्य हेतु प्रदान किया जाता है । इस पुरस्कार का चयन मा. अध्यक्ष, महाराष्ट्र हिंदी परिषद एवं अधिवेशन के संयोजक की सम्मति से होता है । परिषद की ओर से सम्मानार्थी को रु. 5100/- की राशि और सम्मानपत्र प्रदान किया जाएगा ।

2. उत्कृष्ट शोधालेख पुरस्कार –

महाराष्ट्र हिंदी परिषद के वार्षिक अधिवेशन के अवसर पर 'सार्थक उपलब्धि' वार्षिकांक के लिए भेजे गए आलेखों में से 'उत्कृष्ट आलेख' का चयन कर परिषद की ओर से उसे पुरस्कृत किया जाता है । परिषद की ओर से उत्कृष्ट आलेख हेतु रु. 2100/- की राशि और सम्मानपत्र प्रदान किया जाएगा ।

डॉ. मधु खराटे जी से सहयोग राशि –

महाराष्ट्र हिंदी परिषद के वार्षिक अधिवेशन (ऑफलाइन) की सफलता हेतु डॉ. मधु खराटे (पूर्व अध्यक्ष, महाराष्ट्र हिंदी परिषद) द्वारा अपनी माता जी स्व. पार्वतीदेवी शंकरराव खराटे की स्मृति में **प्रतिवर्ष सहयोग राशि रु. 25,000/-** संयोजक महाविद्यालय को प्रदान की जाती है । डॉ. मधुकर खराटे जी के परिवार की दानशूरता के प्रति परिषद आभार एवं कृतज्ञता प्रकट करती है ।

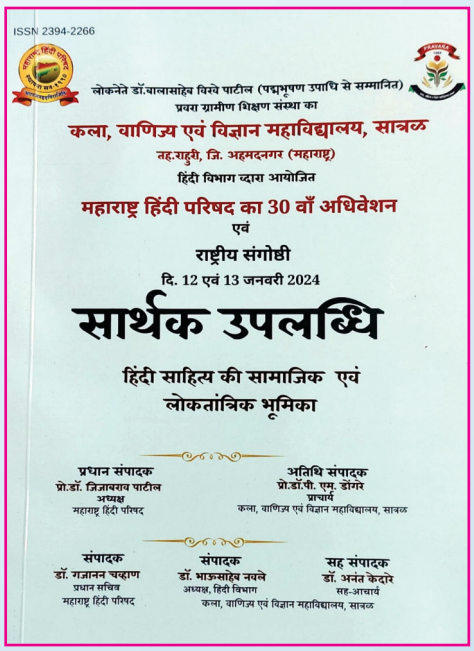

-० कार्याध्यक्ष ०-

प्रो. डॉ. एस. ए. ठाकूर (प्राचार्य)

-० संयोजक ०-

डॉ. हंबीरराव चौगले

भ्रमणध्वनि : 9404388118, 9284265291

-: संगोष्ठी का विषय :-

21 वीं सदी का हिंदी नाट्य साहित्य : विविध परिदृश्य

उपविषय :

1) 21वीं सदी का हिंदी नाट्य साहित्य : सामाजिक परिदृश्य
2) 21वीं सदी का हिंदी नाट्य साहित्य : राजनीतिक परिदृश्य
3) 21वीं सदी का हिंदी नाट्य साहित्य : नारी विषयक परिदृश्य
4) 21वीं सदी का हिंदी नाट्य साहित्य : दलित विषयक परिदृश्य
5) 21वीं सदी का हिंदी नाट्य साहित्य : अन्यान्य परिदृश्य

-० विशेष सूचना ०-

महाराष्ट्र हिंदी परिषद के आजीवन सदस्यों को यह सूचित किया जाता है कि महाराष्ट्र हिंदी परिषद का पंचवार्षिक चुनाव परिषद के 31 वें अधिवेशन में संपन्न होगा । चुनाव की यह सूचना सार्थक उपलब्धि के इस अंक द्वारा परिषद के सभी आजीवन सदस्यों को दी जाती है ।

अध्यक्ष, महाराष्ट्र हिंदी परिषद

-० सभा सूचना ०-

परिषद के नियामक मंडल की सभा मालवण में दि. 09 जनवरी 2025 गुरुवार को सायं. 6.00 बजे आयोजित की गयी है । नियामक मंडल के सभी सम्माननीय सदस्यों की उपस्थिति प्रार्थनीय है ।

महत्त्वपूर्ण सूचनाएँ

- आप स्वयं तथा अपने साथियों को भी अधिवेशन में सम्मिलित कीजिए ।
- हिंदी के अधिक से अधिक प्राध्यापकों को परिषद का आजीवन सदस्य बनने हेतु प्रेरित करें ।
- पुरस्कार स्वरूप परिषद के पास एकमुश्त ठोस धनराशि भेजकर परिषद को समृद्ध बनाइए ।
- अधिवेशन तथा संगोष्ठी में सम्मिलित होकर सक्रिय योगदान दीजिए ।

-: आलेख भेजने हेतु सूचना :-

इस वर्ष शोधालेख Peer - Reviewed and Refereed International Research Journal 'अक्षरा' अंतर विद्याशाखीय पत्रिका (AMRJ) में प्रकाशित किये जायेंगे । जिसका Impact Factor - 5.675 है । शोधालेख भेजने के संदर्भ में कुछ महत्त्वपूर्ण सूचनाएँ इस प्रकार हैं –

1. शोधालेख 1500 से 2000 शब्दों में हो ।
2. शोधालेख में संदर्भ अनिवार्य हैं ।
3. शोधालेख यूनिकोड मंगल फॉंट / कृतिदेव–10 में हो, जिसका फॉंट साईज 14 होना चाहिए । किसी और फॉंट में प्रेषित शोधालेख स्वीकार्य नहीं होंगे ।
4. शोधालेख की Soft Copy Word File तथा PDF File परिषद के संयोजक डॉ. हंबीरराव चौगले के ई–मेल hambirraochougale1982@gmail.com पर भेज दीजिए।
5. शोधालेख के साथ रु. 1500/- पंजीकरण शुल्क RTGS / NEFT / ANY APP द्वारा निम्न खाते में जमा करे –
   A/c Name : Maharashtra Hindi Parishad 31st Adhiveshan
   Bank Name : Bank of Maharashtra, Malvan
   A/c. No. : 60512425482 IFSC Code : MAHB000072
   Branch : Malvan (1837)
   Dist : Sindhudurg
6. ऑनलाईन पंजीकरण राशि भुगतान के बाद स्क्रीन शॉट संयोजक डॉ. हंबीरराव चौगले (9404388118) के व्हॉट्सएप पर अवश्य भेज दें । अन्यथा शोधालेख प्रकाशित नहीं किया जाएगा ।
7. यदि छात्र अपना शोधालेख प्रकाशित करना चाहते हैं तो रु. **500** / – पंजीकरण शुल्क के साथ रु. **500** / – की राशि अतिरिक्त भेज दें ।
8. शोधालेख में अपने नाम के साथ Whatsapp मोबाईल नंबर तथा ई–मेल आयडी का उल्लेख अवश्य करें ।
9. शोधालेख भेजने की अंतिम तिथि 15 दिसंबर 2024 होगी । इसके बाद कोई भी शोधालेख स्वीकार नहीं किया जाएगा ।
10. पंजीकरण शुल्क अदा किये बिना कोई भी शोधालेख प्रकाशित नहीं किया जाएगा । अतः पंजीकरण शुल्क अदा करने के उपरांत उसकी भुगतान रसीद संयोजक को प्रेषित करने का कष्ट करें ।
11. जो प्रतिभागी आलेख भेजेंगे उन्हें ही पत्रिका का अंक दिया जाएगा ।

-: अधिवेशन की स्थूल रूपरेखा :-

शुक्रवार दि. 10 जनवरी 2025

प्रातः	:	08.30 से 10.00	पंजीकरण तथा जलपान
		10.00 से 12.30	उद्घाटन
दोपहर	:	12.30 से 02.00	बीजभाषण
		02.00 से 03.00	भोजन
		03.00 से 04.30	प्रथम सत्र
		04.30 से 05.30	द्वितीय सत्र एवं तृतीय सत्र (समांतर)
सायं.	:	06.30 से 07.30	भोजन
		07.30 से 10.00	सांस्कृतिक समारोह

शनिवार दि. 11 जनवरी 2025

प्रातः	:	07.30 से 08.30	जलपान
		09.00 से 11.00	चतुर्थ सत्र एवं पंचम सत्र (समांतर)
		11.00 से 12.00	खुला अधिवेशन
दोपहर	:	12.00 से 01.00	समापन समारोह (सम्मान / लोकार्पण / पुरस्कार)
		01.00 से 02.00	भोजन

संयोजक की ओर से दि.10 जनवरी 2025 को प्रतिभागियों की निवास व्यवस्था की गई है ।

महाराष्ट्र हिंदी परिषद की कार्यकारिणी

❖ अध्यक्ष

प्रो. डॉ. जिजाबराव पाटील
हिंदी विभागाध्यक्ष, श्री शेठ मुरलीधरजी मानसिंगका साहित्य, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, पाचोरा, जि. जलगाँव,
भ्रमणध्वनि – 8275588961

❖ उपाध्यक्ष

◆ **प्रो. डॉ. बाबासाहेब कोकाटे**
हिंदी विभागाध्यक्ष, बलभीम महाविद्यालय, बीड
भ्रमणध्वनि – 9545154555

◆ **प्रो. डॉ. अरुण घोगरे**
पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष, बी. एस. पाटील महाविद्यालय, परतवाड़ा, भ्रमणध्वनि – 9422858299

◆ **प्रो. डॉ. अनिल काळे**
हिंदी विभागाध्यक्ष, कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय,नारायणगांव, जि. पुणे,
भ्रमणध्वनि – 9860706853

❖ प्रधान सचिव

डॉ. गजानन चव्हाण
हिंदी विभागाध्यक्ष, श्रीमती गंगाबाई खिवराज घोडावत कन्या महाविद्यालय, जयसिंगपुर
भ्रमणध्वनि – 9890277316

❖ कोषाध्यक्ष

प्रो. डॉ. अनिल साळुंखे
हिंदी विभागाध्यक्ष, यशवंतराव चव्हाण महाविद्यालय, करमाला, जि. सोलापुर
भ्रमणध्वनि – 9421023304

❖ संयुक्त सचिव

◆ **डॉ. सुरेश शेळके**
हिंदी विभागाध्यक्ष, कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय, औंढा नागनाथ, जि. हिंगोली
भ्रमणध्वनि – 9422875276

◆ **डॉ. देविदास बामणे**
हिंदी विभागाध्यक्ष, भाऊसाहेब नेने महाविद्यालय, पेण (रायगड) भ्रमणध्वनि – 9623863270

❖ विश्वविद्यालय के सहसचिव

प्रो. डॉ. महेंद्र रघुवंशी, जलगाँव
डॉ. बाबासाहेब माने, पुणे
प्रो. डॉ. प्रमोद पाटील, औरंगाबाद
प्रो. डॉ. संजय नरवाडे, नांदेड
डॉ. सुमेध नागदेवे, नागपुर
प्रो. डॉ. सुनिल बनसोडे, कोल्हापुर
डॉ. दादासाहेब खांडेकर, सोलापुर
प्रो. डॉ. बालकवि सुरंजे, मुंबई
डॉ. संगिता जगताप, अमरावती
प्रो. डॉ. सुरेश कानडे, मुंबई
प्रो. डॉ. शैलेंद्रकुमार शुक्ल, गडचिरोली

❖ पदेन मनोनीत सदस्य

डॉ. वसंत केशव मोरे, कोल्हापुर
प्रो. डॉ. चंद्रदेव कवडे, औरंगाबाद
प्रो. डॉ. पांडुरंग पाटील, कोल्हापुर
डॉ. मधुकर खराटे, भुसावल
डॉ. राजेंद्र रोटे, कोल्हापुर
डॉ. विठ्ठलसिंह ठाकरे, लासलगाँव

❖ मनोनीत सदस्य

प्रो. डॉ. सुधाकर शेंडगे, औरंगाबाद
प्रो. डॉ. दत्तात्रय मुरुमकर, मुंबई
प्रो. डॉ. अमोल पालकर, बीड
प्रो. डॉ. गोविंद बुरसे, औरंगाबाद

❖ प्रकाशक एवं कार्यकारी संपादक :

डॉ. गजानन चव्हाण
प्रधान सचिव, महाराष्ट्र हिंदी परिषद द्वारा
ग्रेशिया अपार्टमेंट, A विंग, F1, पाटील वाडा
होटेल के पीछे, पुणे बायपास,
सांगली – 416 416
भ्रमणध्वनि – 9890277316

❖ संपादक :

प्रो. डॉ. जिजाबराव पाटील
अध्यक्ष, महाराष्ट्र हिंदी परिषद,
अध्यक्ष, हिंदी विभाग, श्री शेठ मुरलीधरजी मानसिंगका साहित्य, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, पाचोरा, जि. जलगाँव,
भ्रमणध्वनि – 8275588961

संगोष्ठी स्थल पहुँचने के लिए

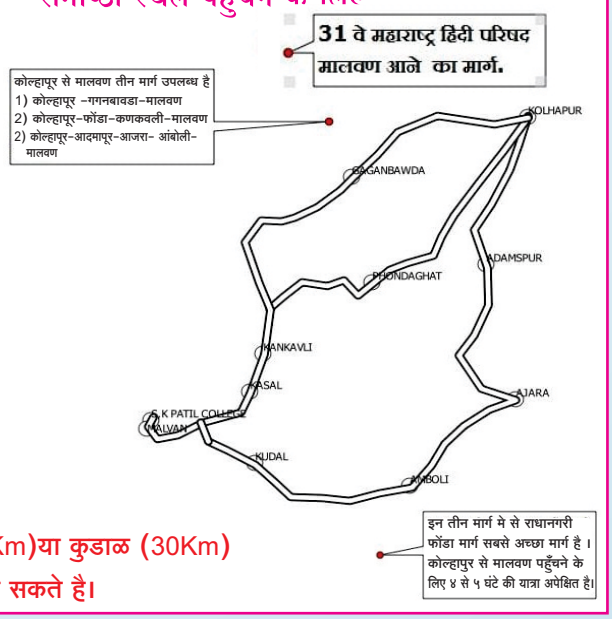

मालवण मे कोई रेलवे स्टेशन नहीं है, लेकिन आप सावंतवाडी (43Km)या कुडाळ (30Km) के निकटतम रेलवे स्टेशन पर जाकर सडक मार्ग से मालवण तक आ सकते है।